सागर में नैया | By Lalit Bhardwaj

सागर में नैया कृष्ण कन्हैया
डूबती नैया के प्रभु तुम हो खिवैया
सागर में नैया.....

तेरे सिवा मेरा कोई नहीं है
किसको पुकारू कोई तुझसा नहीं है
निर्बल के इस दुनिया में तुम ही सहारे
सागर में नैया.....

झूठी है दुनिया झूठा ज़माना
मैं तो हूँ कान्हा तेरा दीवाना
देर करो ना सुनलो राधा के प्यारे
सागर में नैया.....

कितनो को कान्हा तुम देते सहारा
थक सा गया हूँ मैं भी दुनिया से हारा
देख खड़ा हूँ तेरे दर के किनारे
सागर में नैया.....

गलती ललित की पहले ना आया
अपनों को कान्हा मैंने खूब आज़माया
मतलबा की इस दुनिया में तुम ही हमारे
सागर में नैया.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%97%e0%a4%b0-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-%e0%a4%a8%e0%a5%88%e0%a4%af%e0%a4%be-by-lalit-bhardwaj/